नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 15-10-2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ में भारत के **पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती** के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, प्रसिद्ध अभियंता व वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम में अपना सर्वस्व भारतमाता की सेवा में समर्पित कर दिया उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गरीबी एवं अभाव में हुई थी। डॉ. कलाम ने प्रारम्भिक शिक्षा के साथ अखबार वितरण का भी कार्य करते हुए भी पढ़ाई जारी रखी और अपने दृढ़ इच्छा शक्ति तथा कठोर परिश्रम से 1950 में मद्रास इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलाजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक होने के बाद उन्होने हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिये भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में प्रवेश किया। 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में आये जहाँ उन्होने सफलतापूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपण यान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासो से जुलाई 1982 में रोहिणी उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था। इन्होने मुख्य रूप से एक वैज्ञानिक और विज्ञान के व्यवस्थापक के रूप में चार दशकों तक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का उत्तरदायित्व एवं भारत के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम और प्रक्षेपास्त्रो के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्हे बैलिस्टिक मिसाइल और अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास के कार्यो के लिए भारत के मिसाइल मैन के रुप में जाना जाता है। उन्होने 1974 में भारत प्रथम परमाणु परीक्षण के बाद दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरन द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक भूमिका निभाई थी। भारतरत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित था जीवन के अन्तिम दिन तक उन्होंने भारत माता की सेवा करते हुए 27 जुलाई 2015 को परधाम की यात्रा पर चले गये। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी